• आत्मनिर्भर...

विकसित और आत्मनिर्भर भारत है मोदी की गारंटी

शिमला : नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हर भारतीय को खुशहाल और भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाना ही पीएम नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है। जिसके लिए वह जी जान से जुटे हैं। उनके इस लक्ष्य को हर भारतीय का सहयोग मिल रहा है। नेता प्रतिपक्ष शिमला के बनूटी में त्रिदेव और पंच परमेश्वर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि देश के हर जन की आंखों में खुशी देखने वाले नेता के साथ आज पूरा देश खड़ा है। इस बार के लोक सभा के चुनाव में देश के लोग नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने को लेकर उत्साहित है। इस बार हिमाचल के लोग हर बूथ से बीजेपी के बढ़त के रूप में अपना आशीर्वाद देंगे। इस मौके पर उनके साथ शिमला के सांसद सुरेश कश्यप, विधायक सुखराम चौधरी, बलवीर वर्मा, प्रकाश राणा, डॉ. जनकराज, लोकेंद्र कुमार, दीपराज, पूर्व मंत्री डॉ. राजीव सैजल, पूर्व जिला अध्यक्ष रवि ठाकुर, मण्डल अध्यक्ष यशपाल ठाकुर, मण्डल

महामंत्री रोशन लाल समेत अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता और संबंधित त्रिदेव और पंच परमेश्वर उपस्थित रहे।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि आज भारत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नित नई ऊंचाइयां छू रहा है। सबसे बड़े सी ब्रिज से लेकर, सबसे लंबे केबल ब्रिज देश के इंफ्रास्ट्रक्चर की शान बढ़ा रहे हैं। बीते कल ही ऊर्जा के क्षेत्र में सूर्योदय योजना की सौगात दी ह। यह योजना एक दो नहीं 78 हजार करोड़ की है। जो देश के ग़रीबों-किसानों को नि:शुल्क बिजली उपलब्ध करवाएगी। एक दिन पहले ही देश के लगभग 10 करोड़ किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि आ गई। पांच साल में देश के किसानों के खाते में तीन लाख करोड़ की नकद धनराशि जमा करवाई है। जयराम ठाकुर ने कहा कि इसीलिए देश के लोग प्रधानमंत्री को गारंटी का दूसरा नाम मानते हैं और उनकी हर बात पर आंख मूंद कर भरोसा करते हैं। जयराम ठाकुर ने सम्मेलन में आए सभी कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए कहा कि इस बार जब हमारे विश्व प्रिय नेता तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे तो देश में दो करोड़ से ज़्यादा पक्के घर बनेंगे।

• सुविधा...

ऊना से प्रयागराज के लिए ट्रेन सुविधा शुरू

नई दिल्ली : केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रयागराज जाने वाले हिमाचल प्रदेश के श्रद्धालु अब सीधा संगम नगरी प्रयाग पहुंच सकेंगे। इंदौर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को अब अब ऊना हिमाचल तक विस्तार कर चलने की मंजूरी रेलवे से मिल गई है। अनुराग ठाकुर ने इस मंजूरी के लिए पीएम नरेंद्र मोदी व रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव का आभार प्रकट किया है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि हमीरपुर संसदीय क्षेत्र व केंद्र में हिमाचल का प्रतिनिधि होने के नाते में सदैव देवभूमि के विकास व यहां के बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रतिबद्ध हूं। संगमनगरी प्रयागराज एक प्रमुख धार्मिक स्थल है और हिमाचल से बड़ी संख्या में लोग तीर्थाटन करने प्रयागराज जाते हैं, मगर हिमाचल से सीधा प्रयागराज के लिए सीधी ट्रेन सुविधा ना होने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। हिमाचल के यात्रीगण ट्रेन से सीधा ही हरिद्वार तक जा सकें ऐसी सुविधा के लिए मैंने व्यक्तिगत रूप से रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव से मिलकर अनुरोध किया था। मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि इंदौर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस जो सप्ताह मै दो बार चलती थी को अब ऊना तक एक्सटेंशन की मंजूरी रेलमंत्री जी ने दे दी है। यह ट्रेन अब ऊना से इंदौर तक चलाई जाएगी जिससे यात्रियों को आवागमन की बड़ी सुविधा मिलेगी।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि ट्रेन संख्या 19307/08 इंदौर चंडीगढ़ एक्सप्रेस पहले सुबह 5:30 बजे इंदौर से चलकर सुबह 8:35 को ऊना पहुंचेगी। वहीं ये ऊना से दोपहर 1:50 को चलकर अगले दिन दोपहर को 3:05 को इंदौर पहुंच जाएगी जल्दी ही समय सारणी भी जारी कर दे जाएगी आगे बोलते हुए ठाकुर ने कहा अभी हाल ही में मेरे अनुरोध पर ऊना हिमाचल से चल कर सहारनपुर जाने वाली ट्रेन का एक्सटेंशन हरिद्वार तक रेलमंत्री जी ने किया है। इससे पहले 17 फरवरी को मैंने चक्की नदी पर पुल निर्माण की मंजूरी दिलाई है जिससे जल्द पठानकोट से जोगिंदरनगर के बीच रेल सेवा बहाल हो जाएगी। इसके साथ ही कांगड़ा से नूरपुर के बीच का रेल ट्रैक भी जल्द रिस्टोर कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा विकास ही हमारी प्राथमिकता है और मोदी सरकार ने ऊना को सौग़ातें देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पीएम मोदी ने देश की चौथी वन्दे भारत ट्रेन की सौग़ात हिमाचल को दी जिसके शुभारंभ के लिए खुद मोदी ऊना आये थे। हिमाचल में अब हिंदुस्तान की सबसे आधुनिक ट्रेन बीजेपी के कारण ही चल पड़ी है।

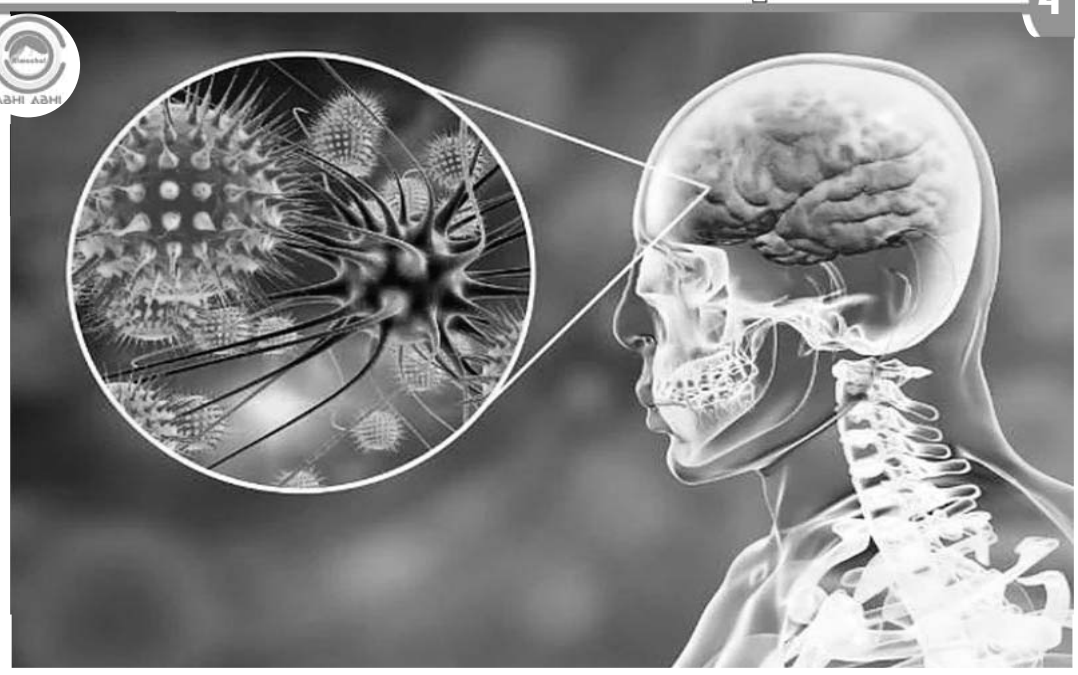

दिमाग को प्रभावित करने वाले पार्किंसंस रोग का इलाज हो सकेगा

पूरे विश्व में पार्किंसंस रोग तेजी से बढ़ रहा है और विशेषज्ञों का यह अनुमान है कि अगले दो से तीन दशकों में भारत में इसके मामलों में 200-300 प्रतिशत तक की भारी वृद्धि हो सकती है।

दुनियाभर के शोधकर्ता इस बीमारी की जटिलताओं को सुलझाने में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। वह इसके कारणों और विकास से लेकर इसके पैटर्न और परिणामों को समझने का प्रयास कर रहे हैं...

● नितेष सैनी/मंडी

मस्तिष्क की तंत्रिकाओं को प्रभावित करके दिमाग के कार्यों को अव्यवस्थित करने वाले रोग पार्किंसंस का इलाज संभव हो सकेगा। आईआईटी मंडी के शोधार्थियों ने अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर एक ऐसे प्रोटीन का पता लगाया है जोकि रोग को फैलाने में जिम्मेदार है। पार्किंसंस में देखा जाने वाला प्रोटीन, अल्फा-सिन्यूक्लिन, का फॉस्फोराइलेशन न केवल पार्किंसंस रोग में, बल्कि सामान्य मस्तिष्क क्रिया को भी प्रभावित कर सकता है।

पूरे विश्व में पार्किंसंस रोग तेजी से बढ़ रहा है और विशेषज्ञों का यह अनुमान है कि अगले दो से तीन दशकों में भारत में इसके मामलों में 200-300 प्रतिशत तक की भारी वृद्धि हो सकती है। दुनियाभर के शोधकर्ता इस बीमारी की जटिलताओं को सुलझाने में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। वह इसके कारणों और विकास से लेकर इसके पैटर्न और परिणामों को समझने का प्रयास कर रहे हैं। पार्किंसंस रोग से जुड़े एक खास प्रोटीन की प्रकृति को समझने के लिए कई तकनीकों का इस्तेमाल किया है। यह प्रोटीन, जिसे अल्फा-सिन्यूक्लिन कहा जाता है। यह मनुष्य दिमाग में भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

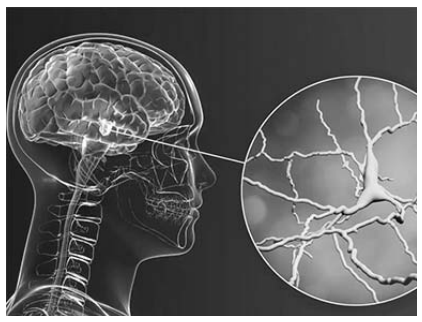

पार्किंसंस रोग और इससे जुड़ी बीमारियों से ग्रस्त लोगों में यह प्रोटीन अत्यधिक फॉस्फोराइलेटेड होता है, यानि इस प्रोटीन के एक विशेष अमीनो एसिड (सेरीन-129) से जुड़े फॉस्फेट समूहों की संख्या बहुत अधिक होती है। मस्तिष्क में मौजूद प्रोटीनों पर फॉस्फोराइलेशन को आप आणविक स्तर पर एक मास्टर स्विच की तरह समझ सकते हैं।

इसमें बहुत छोटा फॉस्फेट समूह प्रोटीन से जुड़ जाता है। यह क्रिया एक स्विच को दबाने के समान है, जो उस प्रोटीन को सक्रिय या निष्क्रिय कर देता है। इससे प्रोटीन के दूसरे प्रोटीनों से जुड़ने का तरीका प्रभावित होता है और यही जुड़ाव पार्किंसंस रोग को बढ़ा सकता है। अब पार्किंसंस रोग के बढ़ने को नियंत्रित किया जा सकेगा।

आईआईटी मंडी के स्कूल ऑफ मैकेनिकल एंड मटीरियल्स इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर डॉ. दुबे धीरज प्रकाश चंद ने बताया कि यह महत्वपूर्ण अध्ययन पार्किंसंस से जुड़े एक प्रोटीन परिवर्तन को समझने का नया तरीका देता है। यह दिखाता है कि ए-सिन्यूक्लिन प्रोटीन पर एक निश्चित स्थान पर होने वाला फॉस्फोराइलेशन नामक परिवर्तन सिर्फ बीमारी का सूचक ही नहीं है, बल्कि सामान्य मस्तिष्क कार्य के लिए भी यह महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन से पता चलता है कि इस प्रक्रिया को रोकने से मस्तिष्क क्रिया को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं, इससे पार्किंसंस के इलाज के बारे में सोचने के नए तरीके सामने आ सकते हैं।

वैज्ञानिकों की एक टीम ने चूहों पर इस प्रक्रिया का अध्ययन करके यह समझने की कोशिश की है कि यह खास प्रोटीन कैसे काम करता है और उस पर होने वाले बदलाव (फॉस्फोराइलेशन) का क्या असर होता है। उन्होंने पाया कि अगर इस प्रोटीन के बदलाव को रोका जाए तो दिमाग के सामान्य काम पर बुरा असर पड़ता है। इसका मतलब है कि यह बदलाव दिमाग के लिए जरूरी है और इसे पूरी तरह से रोकना सही नहीं होगा। वैज्ञानिक अब यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि इस बदलाव को कैसे नियंत्रित किया जा सके, ताकि पार्किंसंस रोग का इलाज किया जा सके और दिमाग को स्वस्थ रखा जा सके।

• फ़ैसला...

पेपर लीक मामले के आरोपी को जमानत

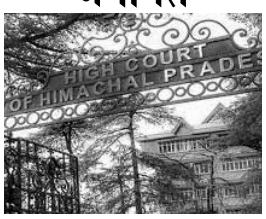

शिमला : प्रदेश हाईकोर्ट ने जेओए आईटी पेपर लीक मामले में आरोपी बनाए गए ड्राइवर जय चंद ठाकुर को अग्रिम जमानत प्रदान कर दी। प्रार्थी ड्राइवर तत्कालीन हिमाचल प्रदेश स्टाफ सिलेक्शन कमीशन कार्यालय हमीरपुर में कार्यरत था। न्यायाधीश राकेश कैंथला ने मामले में प्रार्थी पर लगे आरोपों की जांच से जुड़े रिकॉर्ड का अवलोकन करने के पश्चात प्रार्थी की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार कर ली। प्रार्थी ड्राईवर पर आरोप है कि उसने अपनी बहन को उमा आजाद द्वारा लीक किए गए जेओए पेपर प्रदान कर उसकी मदद की जिससे प्रार्थी की बहन उक्त परीक्षा में चौथे स्थान पर रही। आरोप यह भी था कि वह अन्य आरोपी उमा आजाद के साथ फोन पर संपर्क में था। कोर्ट ने सरकार द्वारा लगाए आरोपों के आधार पर प्रार्थी को हिरासत में लेकर पूछताछ को जायज ठहराने से इंकार करते हुए कहा कि प्रार्थी की बहन का चौथे स्थान पर आना और एक ही कार्यालय में तैनात सहकर्मी से फोन पर संपर्क में रहना कोई गुनाह नहीं है। मामले के अनुसार तत्कालीन हिमाचल प्रदेश स्टाफ सिलेक्शन कमीशन में जेओए आईटी की परीक्षा 19 दिसंबर 2021 को हुई थी।

• सीबीआई की दबिश

सुंदरनगर : शहर में सीबीआई की एकाएक दबिश से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीबीआई के कर्मचारियों ने क्षेत्र की एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक को धोखाधड़ी केस में रेड की। बताया जा रहा है कंपनी का मालिक लगभग एक महीना पहले इस कंपनी को बंद करके चला गया है। दोपहर तक जांच करने के बाद सीबीआई के कर्मचारी वापस चले गए हैं। बहरहाल, सीबीआई के रेड से क्षेत्र के हड़कंप का मौहाल है।